KENDRIYA VIDYALAYA SANDHOLE

केंद्रीय विद्यालय संधोल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

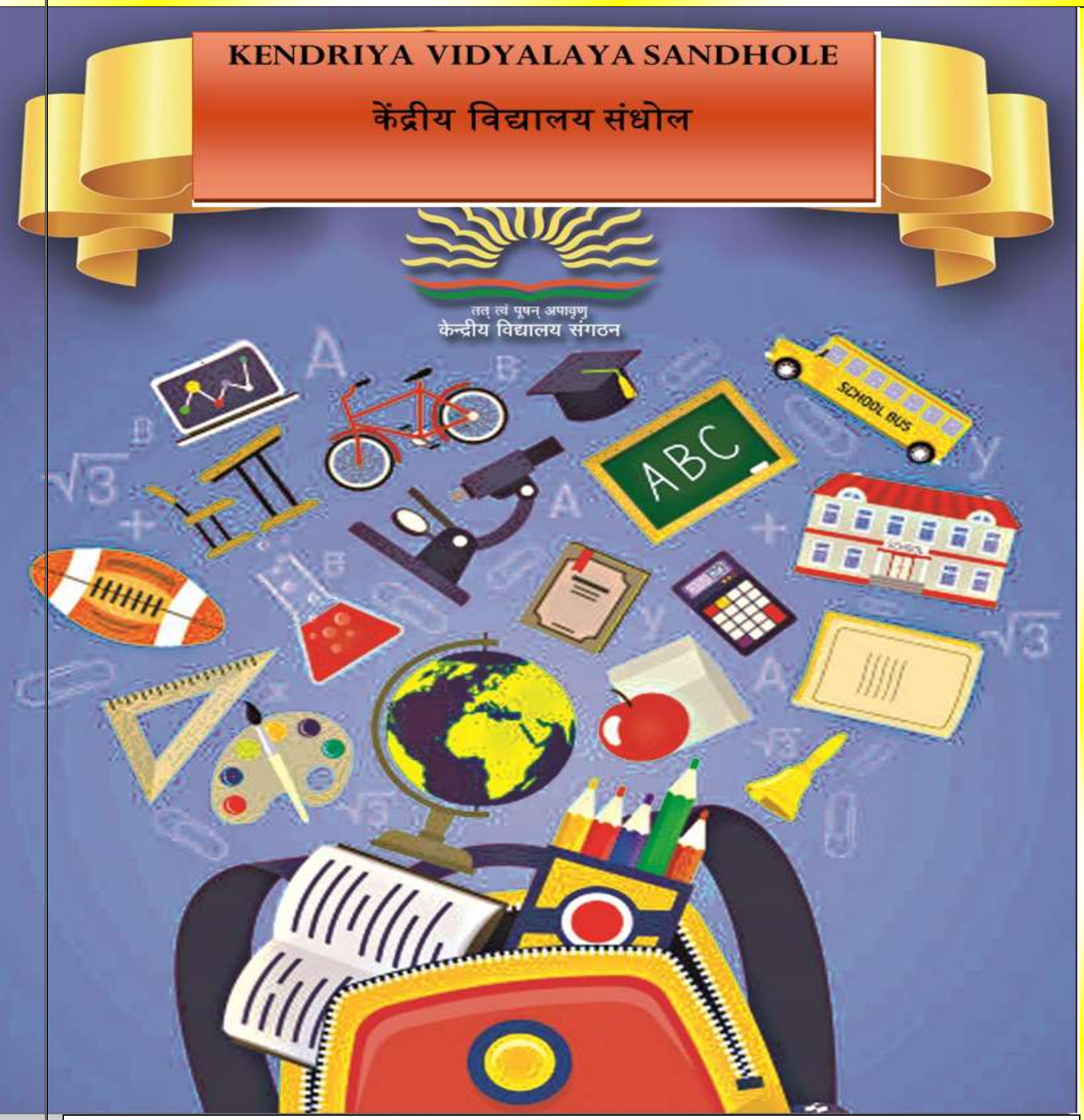

विद्यालय पत्रिका 2022-23

मंजूषा

VIDYALAYA PATRIKA

MANJUSHA

2022-23

KENDRIYA VIDYALAYA SANDHOLE

GURUGRAM REGION

INDEX		
SNO	TITLE	PAGE NO.
1	OUR PATRONS	4
2	PRINCIPAL'S MESSAGE	5
3	EDITOR TEAM & MESSAGE	6-7
4	SCHOOL TOPPERS & ACHIEVERS	8-9
5	HINDI SECTION	10-22
6	VMC MEETING	23
7	GLIMPSES OF 2022-23	24-26
8	SPORTS ACTIVITY	27-32
9	ART GALLERY	33-34
10	SWACHCHHATA PAKHWADA	35
11	TEACHERS DAY AND GRAND PARENT'S DAY	36-37
12	INAUGURATION AND CONSTRUCTION OF NEW BUILDING	38-40
12	STUDENT ACHIEVERS	41
13	ANNUAL INSPECTION	42
14	CCA & EBSB ACTIVITY	43-44
15	ENGLISH SECTION	45-52
16	SANSKRIT SECTION	53-56
17	SCOUT AND GUIDE ACTIVITIES	57
18	KALA UTSAV	58-59
19	KV SANDHOLE IN NEWS	60

हमारे संरक्षक

श्री एस .एस .चौहान(उपायुक्त क्षेत्रीय संभाग गुरुग्राम)

श्री टी. प्रीतम सिंह (सहायक आयुक्त क्षेत्रीय संभाग गुरुग्राम)

श्री आर प्रमोद (सहायक आयुक्त क्षेत्रीय संभाग

श्री शेरब दोरजे प्राचार्य के .वि .संधोल

.

प्राचार्य

श्री शेरब दोरजे जी की ओर से

केंद्रीय विद्यालय संधोल की यह वार्षिक ई – पत्रिका (मंजूषा) शिक्षा के प्रति उस दृष्टिकोण का सार है जो छात्रों के लिए संचार के नये द्वार खोलता है । हमारा विद्यालय बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास को सुनिश्चित करता है । शैक्षणिक गतिविधियो के अलावा समय –समय पर विभिन गतिविधियों का आयोजन किया जाता है जिससे बच्चों में विभिन मूल्यों का विकास हो सके । इस पत्रिका रूपी बगीचे का हर फूल रूपी पन्ना विभिन विद्यालय गतिविधियों को अपनी महक के साथ संजोये हुए है । यह पत्रिका सुनिश्चित करती है कि हमारे शिक्षकों के परिश्रम से किये प्रयासों की झलक आप तक पहुँच सके जो उन्होंने बच्चों के समावेशी विकास के लिए किये हैं । इस पत्रिका को बच्चों को सौंपते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है । मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं अपनी विभिन्न शैक्षणिक एवं गैर- शैक्षणिक उपलब्धियों द्वारा विद्यालय की महिमा को और भी गौरवान्वित करेंगे।

Editorial Team:

Hindi Department

Editors : ,Mrs. Anjula ,PGT Hindi Mrs. Lalita, TGT Hindi, Mrs. Manju PRT

Student Editors : NIdhi, IX , Sinchin IX, Tanvi IX, Anshika Mandhotra IX

English Department.

Editor : ,Mrs. Mala Chauhan -PGT English , Mrs. Salma Bisht

Mr. Krishan Lal, PRT ,Mrs. Manju Kumari, PRT

Student Editors : Vrishabh , IX

Ikshit Katwal , IX

Sanskrit Department

Editors ; Mr. Vikash pathak, TGT Sanskrit , Mr. Gopal Singh (PRT)

Student Editors ; Arman Sharma IX, Rijul VI

संपादक की कलम से

विद्यालय पत्रिका का महत्व

दोस्तों ! हमारे देश में बहुत पहले से ही पत्रिकाएं उपलब्ध है |पत्रिकाओं के जरिए लोग अलग-अलग विषय के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं। पत्रिकाएं किसी विषय पर आधारित होती हैं यह समाज के लिए, देश के लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण होती है क्योंकि पत्रिकाओं के जरिए कई तरह की कुप्रथाएं कुरीतियां और अंधविश्वास आदि दूर होते है आज हम आपको विद्यालय की ई -पत्रिका के बारे में बताने वाले हैं |विद्यालय की पत्रिका स्कूल के प्रबंधकों एवं स्कूल के छात्रों द्वारा चलाई जाती है तथा विद्यालय के लिए यह बहुत ही महत्त्वपूर्ण होती है। पत्रिका का प्रमुख उद्देश्य विद्यालय और विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए होता है। विद्यालय की पत्रिकाओं में विद्यालय के बारे में जानकारी दी जाती है। विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बारे में जानकारी दी जाती है। जब विद्यार्थी पत्रिकाओं में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की तस्वीर देखते हैं तो वह पढ़ने की ओर आकर्षित हो जाते हैं कि हम भी अच्छी तरह पढ़ाई करे और हमारा भी इसी तरह से पत्रिका में नाम और छायाचित्र आये। पत्रिकाओं में बच्चों के विकास के लिए भी कई तरह की जानकारी होती हैं।

पत्रिकाओं में बच्चों के मनोरंजन और विकास के लिए कुछ रोचक बातें भी रहती हैं क्योंकि प्रायः हम देखते हैं कि विद्यार्थियों पर रुचिकर चीजों , कहानियों , रोचक लेखों , किस्सों आदि का बहुत ही ज्यादा प्रभाव पड़ता है इसलिए पत्रिका में कहानी लेखन, निबंध आदि होते हैं जिससे विद्यार्थी इनको पढ़ने के प्रति और भी आकर्षित होते हैं।

स्कूल की पत्रिकाओं की वजह से बच्चे बहुत ही अच्छा अनुभव करते हैं। जब वह इन पत्रिकाओं को लिखते हैं तो उनकी लेखन कला भी अच्छी होती है और उनका ज्ञान भी बढ़ता है क्योंकि वह चिंतन करते हैं। कुछ लेख अध्यापक लिखते हैं तो कुछ लेख विद्यार्थी लिखते हैं उनके लिखने की कला का विकास होता है जब वो अपने छायाचित्र को उन पत्रिकाओं में देखते हैं तो वह बहुत ही खुश होते हैं वह अपने रिश्तेदार, दोस्तों, परिवार वालों को पत्रिका को दिखाते हैं तो उनके परिवार वालों को भी बहुत खुशी महसूस होती है।

पत्रिका वास्तव में हर किसी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और विद्यालय की पत्रिका की तो बात ही कुछ अलग है क्योंकि विद्यालय की पत्रिका विद्यार्थियों के लिए विशेष होती है। हम सभी जानते हैं कि बच्चे हमारे देश का भविष्य होते हैं अगर बचपन में बच्चों के भविष्य के सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वास्तव में हमारे देश में बहुत कुछ बदलाव होगा।

श्रीमती ललिता

प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका हिन्दी

CLASS 10TH BATCH 2021-22

TOPPER 2021-22 (CLASS 10TH)

Sanya Thakur, Class X

2nd Position

Aditiya Thakur, Class X

1st Position

Sunaina, Class X

3rd Position

प्राचार्य श्री शेरब दोरजे (मध्य में) और खेल शिक्षक श्री दिनेश (दाहिने) के साथ राष्ट्रीय वॉलीबाल टीम अंडर -१९ के विजेता सूजल (दसवीं), अंगद (दसवीं), लब्बू (दसवीं), कृष धीमान (दसवीं), कृष मंधोत्रा (दसवीं)

हिंदी खण्ड

शिक्षा से समाज सेवा

एक समय की बात है स्वामी विवेकानंद अपने आश्रम में वेदों का पाठ कर रहे थे, तभी उनके पास चार ब्राह्मण आए वह बड़े व्याकुल थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह किसी प्रश्न का हल ढूंढने के लिए परिश्रम कर रहे हैं। चारों ब्राह्मण ने स्वामी जी को प्रणाम किया और कहा – स्वामी जी! हम बड़ी दुविधा में हैं , आपसे अपने समस्या का हल जानना चाहते हैं। हमारी जिज्ञासाओं को शांत करें -

स्वामी जी ने आश्वासन दिया और जानना चाहा

कैसी जिज्ञासा ? कैसा प्रश्न है आपका ?

ब्राह्मण बोले महात्मा हम चारों ने वेद – वेदांतों की शिक्षा ग्रहण की है। हम सभी समाज में अलग-अलग दिशाओं में घूम कर समाज को अपने ज्ञान से सुखी, संपन्न और समृद्ध देखना चाहते हैं।

इसके लिए हमारा मार्गदर्शन करें !

स्वामी जी के मुख पर हल्की सी मुस्कान आई और उन्होंने ब्राह्मण देवताओं को कहा –

हे ब्राह्मण! आप सभी यह सब लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं, इसके लिए आपको मिलकर समाज में शिक्षा का प्रचार प्रसार करना होगा।

ब्राह्मण देवता शिक्षा से हमारा लक्ष्य कैसे प्राप्त हो सकता है ?

स्वामी जी जिस प्रकार बगीचे में पौधे को लगाकर बाग को सुंदर बनाया जाता है, ठीक उसी प्रकार शिक्षा के द्वारा समाज का उत्थान संभव है।

शिक्षा व्यक्ति में समझ पैदा करती है , उन्हें जीवन के लिए समृद्ध बनाती है। साधनों से संपन्न होने में शिक्षा मदद करती है, सभी अभाव को दूर करने का मार्ग शिक्षा दिखाती है। यह सभी प्राप्त होने पर व्यक्ति स्वयं समृद्ध हो जाता है।

ब्राह्मण देवता को अब स्वामी विवेकानंद जी का विचार बड़े ही अच्छे ढंग से समझ आ चुका था।

अब उन्होंने मिलकर प्रण लिया वह अपने शिक्षा का प्रचार – प्रसार समाज में करेंगे यही उनकी समाज सेवा होगी।

एकाग्रता सफलता की कुंजी

अमेरिका में भ्रमण करते हुए स्वामी विवेकानंद ने एक जगह देखा कि पुल पर खड़े कुछ लडक़े नदी में तैर रहे अंडे के छिलकों पर बंदूक से निशाना लगाने की कोशिश कर रहे हैं। किसी का एक भी निशाना सही नहीं लग रहा था। तब वे एक लड़के से बंदूक लेकर खुद निशाना लगाने लगे। उन्होंने पहला निशाना बिल्कुल सही लगाया। फिर एक के बाद एक उन्होंने 12 निशाने सही लगाए।

लडक़ों ने आश्चर्य से पूछा, 'आप यह कैसे कर लेते हैं?' स्वामी विवेकानंद बोले, 'तुम जो भी कर रहे हो, अपना पूरा दिमाग उसी एक काम में लगाओ। अगर तुम निशाना लगा रहे हो तो तुम्हारा पूरा ध्यान अपने लक्ष्य पर ही होना चाहिए। फिर कभी चुकोगे नहीं। अगर अपना पाठ पढ़ रहे हो, तो केवल पाठ के बारे में सोचो। एकाग्रता ही सफलता की कुंजी है।

ललिता

प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका हिन्दी

पहेलियां

(1). क्या है जिसे हम छू नहीं सकते पर देख सकते हैं?

सपना

(2).पांच अक्षर का मेरा नाम उल्टा सीधा एक समान?

मलयालम

(3).लिखता हूं पर पेन नहीं ,चलता हूं पर गाड़ी नहीं ,टिक टिक करता पर घड़ी नहीं, बताओ कोई कौन हूं?

टाइपराइटर

(4).वह कौन सी चीज है जो धूप में नहीं सूखती?

पसीना

(5).तीन पैर की तितली नहा धोकर निकली?

समोसा

(6).ना कभी आता ना कभी जाता जो इसके भरोसे रहता वह बड़ा पछताता?

कल

(7).गोल गोल चेहरा पेट से रिश्ता गहरा?

रोटी

(8).बेशक न हो हाथ में हाथ जीता है वह आपके साथ?

परछाई

वंश

कक्षा -7

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों के अस्तित्व को सुरक्षा प्रदान करना है, और बेटियों के जन्म में बढ़ोतरी करना है। कन्या भ्रूण हत्या को रोकना है ,इसलिए हर चिकित्सालय में कन्या भ्रूण हत्या कानूनी अपराध है -यह वाक्य देखने को मिलता है ।लड़कियों के प्रति शोषण का खात्मा करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, इस अभियान को जितना फैलाया जा सकता है उतना फैलाना होगा। जिससे हर गांव गली व शहर में लड़कियों को हीन भावना से देखना बंद कर दिया जाए ।उन्हें पूरा सम्मान और पूरे अधिकार मिल सके। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है - नारी का उत्थान स्वयं नारी ही कर सकती है। कोई और उन्हें उठा नहीं सकता है वह स्वयं उठेगी बस उठने में उसे सहयोग की आवश्यकता है और जब वह खड़ी होगी तो दुनिया की कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती ।

वह उठेगी और समस्त विश्व को अपनी जादुई कुशलता से आश्चर्यचकित कर देगी ।भारत जैसे देश में लोगों की मनोवृति बेटियों के प्रति बहुत रूढ़िवादी है ,जिस कारण आज भी कई जगहों पर जन्म से पहले ही लिंग की जांच करवाकर कन्या भ्रूणहत्या की जाती है। लेकिन लोगों को समझने की जरूरत है कि महिला और पुरुष दोनों ही एक गाड़ी के पहिए की तरह हैं, बिना एक पहिए की गाड़ी चल नहीं सकती है ।समाज के विकास में बेटियों का भी योगदान होता है। इसलिए मैं आशा करूंगा कि आप अपनी बेटियों को पढ़ाएं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में उसकी मदद करें।

नाम आईना

कक्षा - 9

आसान नहीं है साधु होना

भुलाया है जिसने सुख चैन

और हँसना रोना।

जटिल होता होगा जीवन उसका

भोग विलास और मोह का भी

कद हो जिसके आगे बौना।

वैराग सबके बस की नहीं है बात

बाकियों को पड़ता है यह ढोंग ढोना।

जीवन के हर रंग देख कर

भी बेरंग रहना एक हुनर है

बहुत आसान है यूँ तो ज़मीर खोना ।

गुमनाम होके निकल पड़ते हैं अनजान रास्तों पर

विचलित नहीं करता जिन्हे मंजिल का ना होना

.

नहीं है आरामफ़रोशी की आदत,

बस जरूरत है दो निवाले एक कोना

आसान नहीं है साधू होना।

सुमित

प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक

कार्य अनुभव

करें परीक्षा की तैयारी

बहुत लिया खेल अब,
करें परीक्षा की तैयारी,
पेन, पेन्सिल, रबर, कटर
हो सामग्री सारी.

है वक़्त बड़ा अनमोल,
अब न इसे गँवाना है.
करके अच्छी तैयारी,
अच्छे अंक भी लाना है.

हो पढ़ने का टाइम टेबल,
जितना पढ़े, मन से पढ़े,
एक विषय याद हो जाए
तो अगले की ओर बढ़ें.

न पढ़े ज़्यादा देर,
वक़्त पे आराम करें.
याद हो गये उत्तर जो
उसे लिखने का काम करें.

लिखने से बार बार
याद उत्तर हो जाएगा,
हो कैसा भी प्रश्न-पत्र
झट वो हल हो जाएगा,

ठण्डे दिमाग़ से
हर प्रश्न का दें जवाब,
लिखें उत्तर वही जो
कहती है किताब.

पाकर प्रथम श्रेणी को
माँ-बाप का रोशन नाम करो.
नाज़ हो "दीप" तुम पर
जो कुछ ऐसा काम करो.

अनिता

प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका

सामाजिक विज्ञान

समय का सदुपयोग

मनुष्य जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज अगर कोई है, तो वह है समय। समय पैसों से भी ज्यादा कीमती है।क्योंकि यदि पैसे खर्च हो जाए तो उसे दोबारा कमाया जा सकता है। लेकिन समय हाथ से खर्च हो गया तो फिर से वापस नहीं आता है ।समय बहुत ही अनमोल है, इसका सदुपयोग करना चाहिए।

हमें समय का सही उपयोग करना चाहिए। प्रत्येक कार्य निश्चित समय पर ही करना चाहिए ।जिससे हमें सफलता प्राप्त होती है ।सही चीज के लिए सही समय का इंतजार करना बहुत जरूरी है। हमें कभी भी आलस नहीं करना चाहिए। क्योंकि बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता है। इतिहास गवाह है ,जिसने भी समय का सदुपयोग किया है उसे जीवन में सफलता अवश्य मिली है ।विद्यार्थी जीवन में भी समय का अपना विशेष महत्व होता है ।अगर उसका सदुपयोग किया जाता है ,तो वह हमें कामयाबी की सीढ़ी पर चढ़ने में अवश्य मदद करता है।

समय इतना मूल्यवान होने के बावजूद बहुत लोग आलस की वजह से अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं ।एक-एक दिन करके पूरी जिंदगी बीत जाती है ,और तब उन्हें यह एहसास होता है कि उन्होंने जीवन में कुछ भी हासिल नहीं किया है। सबको अपनी जरूरतों के हिसाब से समय का सदुपयोग करना चाहिए ।जीवन सफल बनाने की यही एक सीढ़ी है।

अंशुल ठाकुर
कक्षा नवम

प्रकृति संरक्षण

हम कुछ मुख्य बातों का ध्यान रखकर प्रकृति का संरक्षण कर सकते हैं जैसे-

- पेड़ों की कटाई कम करके।
- सभी प्रकार के पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए सही कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।
- हमें प्रकृति के उपहार का सम्मान करना चाहिए और नियमों के अनुसार प्रकृति का उपयोग करना चाहिए।
- पेड़ लगाने से मिट्टी के अपरदन को रोका जा सकता है

पलक्षा
कक्षा 9 वी

पहला कदम

तट पर बैठे-बैठे तेरे....
हाथ कहां कुछ आएगा।
मिलेंगे तुझको जब ...
सागर के तहत जाएगा।
कुछ ना आए हाथ ....
समझना डुबकी अभी अधूरी है।
अभी जितना भी मुश्किल हो
पहला कदम जरूरी है।

मुश्किलों का विजेता

मुश्किलों से तुझे लड़ना है,
जीत को हासिल करना है।
क्या हुआ अगर तू अकेला है,
फिर भी तू मुश्किलों का विजेता है।
सूरज बनकर चमकना है अगर
चांद बन कर रात को जागना है,
अपनी मंजिल के कांटो को तोड़कर
लक्ष्य की ओर भागना है।

अंशिका मंढोत्रा
कक्षा नवम

पहली बारिश

मौसम ऐसा सुहाना हुआ,
बारिश का बहाना हुआ,
देखा जब दूर से तो
मोती जैसी बूंदों का अफसाना हुआ

हवाओं का मुख् बदलना और
पेड़ों के पत्तों का शर्माना हुआ।
जैसी जैसी बारिश का आना हुआ
छतों पर बारिश का टिप टिप गिरना
एक गाने की धुन का तराना हुआ
हर पक्षी अपने घर रवाना हुआ।
वह पहली बारिश आई और
फिर मौसम बड़ा सुहाना हुआ,
ऐसे बारिश का बहाना हुआ।

पलक
कक्षा दसवीं

लड़की

लड़की पैदा हुई मन में सोचते हो
बिना लड़की दुनिया चलेगी
ऐसा तुम क्यों सोचते हो

लड़की प्यार
लड़की एहसास
सभी गुणों से सजी है लड़की
फिर कहते हैं हाय यह लड़की
सीता लड़की राधा लड़की
झांसी की रानी भी लड़की
इंदिरा बनकर छाई यह लड़की
आओ हम सब कसम यह खाए
लड़के लड़की का भेद मिटाएं।

अंशिका
कक्षा आठवीं

इंटरनेट का महत्व

इंटरनेट ने विश्व में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। जितना किसी दूसरी तकनीक ने नहीं लाया। दूर बैठे उपभोक्ताओं के मध्य संवाद का माध्यम है। यह किसी भी सूचना को विश्व स्तर पर प्रकाशित करने का जरिया है। इंटरनेट सूचना का अपार सागर है। आज अरबों लोग विभिन्न कार्यों के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल कर रही हैं ।आज दुनिया के अधिकतर हिस्सों में इंटरनेट से जोड़ना संभव है। इंटरनेट के द्वारा हम विश्व के किसी भी देश में किसी कंपनी संस्था या व्यक्ति से तुरंत संपर्क स्थापित कर सकते हैं। ईमेल या इलेक्ट्रॉनिक मेल अभी भी सबसे लोकप्रिय उपयोग करने का साधन है। जिसने संचार के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। अन्य माध्यमों की तुलना में रास्ता तेज रफ्तार में अधिक सुविधाजनक होने के कारण ईमेल ने दुनिया भर के कार्यालयों और घरों में अपनी जगह बना ली है ।नई पीढ़ी में इंटरनेट चैट या चर्चा व्यापक रूप से लोकप्रिय है। यह एक बहुपयोगी गतिविधि है। जिसके द्वारा भौगोलिक रूप से दूर दूर स्थानों पर बैठे व्यक्ति एक ही समय पर एक दूसरे से बातें वह चर्चा कर सकते हैं। सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट ने तो दुनिया में धूम मचा दी है ।इंटरनेट ने आज विद्यार्थियों को अपनी मर्जी ,अपने समय और अपने स्थान के अनुसार अपने अध्ययन को आगे बढ़ाने में सहायता की है।

दिशा शर्मा
कक्षा आठवीं

बचपन

एक बचपन का जमाना था...
जिसमें खुशियों का खजाना था..
चाहत चांद को पाने की थी...
पर दिल तितली का दिवाना था...
खबर ना थी कि कुछ सुबह की ..
ना शाम का ठिकाना था ...
थक कर आना स्कूल से ....
पर खेलने भी जाना था ...
मां की कहानी थी ....
परियों का फसाना था ...
बारिश में कागज की नाव थी ...
हर मौसम सुहाना था...
हर खेल में साथी थे ....
हर रिश्ता निभाना था...
गम की जबान ना होती थी...
ना जख्मों का पैमाना था...
रोने की वजह ना थी...
ना हंसने का बहाना था...
क्यों हो गए हम इतने बड़े..
इससे अच्छा तो वह बचपन का जमाना था।

परवी
कक्षा छठी

स्वतंत्रता दिवस पर कविता

ना जाने कितने वीरों ने

अपनी जान गवाई थी

तब जाकर मेरे भारत ने

यह स्वतंत्रता पाई थी

यह धरती भी हमारी थी

आकाश भी हमारा था

पर ब्रिटिश के शासन

में कुछ भी हमारा ना था

मंगल भगत आजाद

सबने लड़ी लड़ाई थी

तब जाकर मेरे भारत ने

सही स्वतंत्रता पाई थी

ना जाने कितनी मां ओं ने

अपने लाल को तिरंगा पहनाया था।

तब जाकर मेरे भारत ने

यह स्वतंत्रता पाई थी।

जय हिंद जय भारत

शिवांश

कक्षा सातवीं

डॉक्टर

जिस प्रकार सैनिक देश की रक्षा करते हैं।उसी प्रकार डॉक्टर हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं। प्रोफेसर और इंजीनियर की भांति ही डॉक्टर का समाज में महत्वपूर्ण स्थान है ।डॉक्टरों को समाज में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।डॉक्टर का कार्य रोगों का निदान करना है ।पूरी दुनिया में डॉक्टरों को भगवान के समान माना जाता है ।क्योंकि यही एक इंसान है जो कि हमें छोटी से छोटी बीमारी से लेकर बड़ी दुर्गम कुंवारियों को दूर करने में हमारी सहायता करता है ।आजकल की भागदौड़ भरी दुनिया में बहुत अधिक बीमारियां फैल गई है। कुछ का निदान संभव है तो कुछ का नहीं है। लेकिन फिर भी एक डॉक्टर हमेशा हमें स्वस्थ करने के लिए तत्पर रहता है ।पुराने जमाने से लेकर अब तक चिकित्सा पद्धति में बहुत अधिक बदलाव आ चुके हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय बदल रहा है ।कुछ डॉक्टरों के स्वभाव में भी बदलाव आ रहा है। वे दिन प्रतिदिन लालची होते जा रहे हैं ,और अपने स्वार्थ को सिद्ध करने के लिए रोगियों को महंगी महंगी दवाइयां देते हैं। जिसके कारण रोग इलाज नहीं करा पाते हैं ,और उन्हें मृत्यु का सामना करना पड़ता है ।लेकिन सभी डॉक्टर ऐसे नहीं होते हैं ।आज भी दुनिया में कई ऐसे डॉक्टर हैं ,जो बिना किसी शुल्क के लोगों का इलाज करते हैं ,और उन्हें दवाइयां प्रदान करते हैं।

कामाक्षी

कक्षा 9 वी

बढे चलो

फूल बिछे हो या कांटे हो ,

रहा ना अपनी छोड़ो तुम।

चाहे जो भी बताएं आए ,

मुख्य को जरा नमो दो तुम।

साथ रहे या ना रहे साथी

हिम्मत मगर ना छोड़ो तुम

नहीं कृपा की भीख मांगो

कर ना दीन बन जोड़ो तुम

ईश्वर पर रखो भरोसा

पाठ प्रेम का पढ़े चलो

जब तक जान बनी हो

तन में तब तक आगे बढ़े चलो।

वृषभ शर्मा

कक्षा नवम

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए

सही तरह चलना सिखाए

माता-पिता से पहले आता

जीवन में सदा आदर पाता

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे

सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे

कभी रहा ना दूर में जिससे

वह मेरा पथ प्रदर्शक है जो

मेरे मन को भाता वह

मेरा शिक्षक कहलाता

कभी है शांत, कभी है धीर

स्वभाव में सदा गंभीर

मन में दबी रही है यह इच्छा

काश मैं उस जैसा बन पाता

जो मेरा शिक्षक कहलाता।

मानसी

कक्षा आठवीं

चुटकुले

मंदिर में पप्पू

पंडितजी, कोरोना वायरस से बड़ा डर लग रहा है।, क्या करना चाहिए ? पंडित डरने की बात नहीं है. हाथ आगे करो। पंडित जी, आज चरणामृत थोड़ा कड़वा नहीं है। पंडित अरे मूर्ख, वह सैनेटाइजर था, सफाई के लिए दिया था।

पप्पू कीमास्क पहनने के बाद फिलिंग्स |

मास्क लगाने के बाद फिलिंग्स आती है जैसे अपुन भी कोई छोटा-मोटा डॉक्टर है.

(टीचर' - लॉकअप और लॉकडाउन मे क्या अंतर है?

पाप - लॉकअप में अंदर ले जाकर कटाई होती है, लॉक डाउन में बाहर निकलने पर कुटाई होती है! और कुटाई एक ही कंपनी के आदमी करते हैं।

आर्यन

कक्षा - 7

पर्यावरण (कविता)

पर्यावरण को बचाना हमारा ध्येय हो

सबके पास इसके लिए समय हो

पर्यावरण अगर नहीं रहेगा सुरक्षित

हो जायेगा सबकुछ दूषित

भले ही आप पेड़ लगाये एक

पूरी तरह करके उसकी देखरेख

और ऊर्जा का करे सब उपयोग

कम करे रासायनिक ताप विद्युत् का उपभोग

खाद का कम करे छिडकाव

भूमि को प्रदूषित होने से बचाव

कचरों का सुमचित नीति से करो निपटारा

फैक्ट्रियो में जब और यन्त्र लगाई जाएँगी

वायु प्रदूषण में अपने आप कमी आएँगी

तब जाकर पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएँगी

आधी बीमारियाँ अपने आप चली जाएगी

शगुन

कक्षा-8

स्कूल

हो जाओ तैयार, स्कूल चले हम

जूते पहनो यार, स्कूल चलें हम !

रास्तों की सैर खाते हुए पैर

दोस्तों की बातें करते आगे जाते

हो जाओ तैयार, स्कूल चलें हम

जूते पहनो यार, स्कूल चले हम !

पढ़ाई लिखाई, मस्ती- धमाल

मिलकर सब करने कमाल

हो जाओं तैयार, स्कूल चले हम..

जूते पहनो यार, स्कूल चले हम..!

निश्चय सकलानी

कक्षा -7

माँ

माँ तू कितनी अच्छी है ,

मेरा सब कुछ करती है |

भूख मुझे जब लगती है ,

खाना मुझे खिलाती है |

जब में गन्दी होती हूँ ,

रोज मुझे नहलाती है |

जब में रोने लगती हूँ ,

चुप तू मुझे कराती है |

माँ मेरे मित्रों में सबसे ,

पहले तू ही आती है |

नाम अमायरा

कक्षा तीसरी

फिर उसका क्या दोष ?

रात के समय एक दुकानदार अपनी दुकान बंद ही कर रहा था कि एक कुत्ता दुकान में आया |

उसके मुह में एक थैली थी जिसमे सामान कि लिस्ट और पैसे थे | दुकानदार ने पैसे लेकर सामान उस थैली में भर दिया | दुकानदार आश्चर्यचकित हो के कुत्ते के पीछे - पीछे गया | यह देखने के लिए कि इतने समझदार कुत्ते का मालिक कौन है ? कुत्ता बस स्टॉप पर खड़ा रहा | थोड़ी देर में एक बस आई जिसमे वह चढ़ गया | कंडक्टर के पास आते ही अपनी गर्दन आगे कर दी | उसके गले के बेल्ट में पैसे और उसका पता था | कंडक्टर ने पैसे लेकर टिकट कुत्ते के गले में रख दिया | अपना स्टॉप आते ही कुत्ता आगे के दरवाजे पे चला गया और पूँछ हिलाकर कंडक्टर को इशारा किया| बस के रुकते ही उतरकर चल दिया | दुकानदार भी पीछे – पीछे चल रहा था | कुत्ते ने घर का दरवाजा अपने पैरो से 2-3 बार खटखटाया | अंदर से मालिक लाठी से उसकी पिटाई शुरू कर दी | दुकानदार ने कारण पूछा तो मालिक बोला ,"साले ने मेरी नींद खराब कर दी चाबी साथ ले कर नही जा सकता था गधा " |

जीवन की यही सच्चाई है :- लोगो कि अपेक्षाओ का कोई अंत नही |

नाम क्षमा

कक्षा 9वी

केंद्रीय विद्यालय संधोल

मंडी हि .प्र .176090

VMC MEETING

दिनांक 22.04.2022 को विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन किया गया |प्राचार्य महोदय द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखते हुए बैठक प्रारंभ हुई |विद्यालय के विभिन्न बिन्दुओं पर अध्यक्ष महोदय एवम् सदस्यों के साथ चर्चा हुई |

बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए समिति सदस्य

कार्यक्रम की झलकियाँ

बैठक के बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए प्राचार्य श्री शेरब दोरजे

समिति अध्यक्ष अपने विचार रखते हुए

केंद्रीय विद्यालय संधोल में हुई विभिन्न गतिविधियों की झलकियाँ

वन महोत्सव

(01.07.2022-07.07.2022)

दिनांक 1 जुलाई से 7 जुलाई के बीच के. वि. संधोल के द्वारा वन महोत्सव सप्ताह का आयोजन किया गया । इस उपलक्ष्य में केंद्रीय विद्यालय संधोल के बच्चों और अध्यापकों ने awareness drive आसपास के इलाकों में निकाली ।

वन महोत्सव रैली के दौरान शिक्षक एवम् विद्यार्थी

विद्यालय के मुख्य द्वार से वन महोत्सव रैली प्रारंभ करते हुए विद्यालय के शिक्षक,शिक्षिकाएं और विद्यार्थी .

स्वतंत्रता दिवस समारोह -15 अगस्त 2022 की झलकियाँ

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

ध्वजारोहण करते हुए प्राचार्य महोदय श्री शेरब दोरजे

कृष्ण जन्माष्टमी झलकियाँ

केंद्रीय विद्यालय संधोल में 19.08.2022 को कृष्ण जन्माष्टमी समारोह मनाया गया। इस समारोह की कुछ झलकियां

राष्ट्रीय खेल दिवस

दिनांक 29 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय श्री रजत ठाकुर ने विद्यालय में होने वाले खेलों का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया एवं विद्यालय में वॉलीबॉल मैच, कबड्डी मैच, छोटे बच्चों के लिए फ्रॉग रेस, स्पून रेस एवं लंगडी रेस का आयोजन किया गया।

खेल दिवस की झलकियाँ

KENDRIYA VIDYALAYA SANDHOLE
ANNUAL SPORTS DAY 2022

NAME OF STUDENT	HOUSE	EVENT	POSITION TIME
KARTIK (8TH CLASS)	RAMAN HOUSE	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 100M	1ST SHIVANSHU(22.02 SEC)
SHIVANSHU(8TH CLASS)	ASHOKA HOUSE	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 100M	2ND KARTIK SAKLANI (22.69 SEC)
SUDHANSHU (7TH CLASS)	SHIVAJI HOUSE	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 100M	3RD KARTIK (22.85 SEC)
KARTIK SAKLANI (100M)	TAGORE HOUSE	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 100M	
	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 200 M		
SHORYA (6TH CLASS)	RAMAN HOUSE	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 200 M	1ST AADITYA SAKLANI(47.0 SEC)
MANIK(7TH CLASS)	ASHOKA HOUSE	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 200 M	2ND MANIK (50.08 SEC)
ISHAN(7TH CLASS)	SHIVAJI HOUSE	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 200 M	3RD ISHAN (51.7 SEC)
AADITYA SAKLANI (8TH)	TAGORE HOUSE	RACE (BOYS) 6TH TO 8TH 200 M	
	RELAY RACE (BOYS) 6TH TO 8TH		
ARYAN ,RISHABH,AKHIL,GOURAV	RAMAN HOUSE	RELAY RACE 6TH TO 8TH BOYS	
DIWAKAR,SHIVANSHU,MANIK,VANSH	ASHOKA HOUSE	RELAY RACE 6TH TO 8TH BOYS	1ST ASHOKA HOUSE (1.00 MIN.)
RAJVEER,KUNAL,SHIVAM THAKUR KARTIK	TAGORE HOUSE	RELAY RACE 6TH TO 8TH BOYS	2ND TAGORE HOUSE (1.31 SEC)
SUDANSHU,KUNAL,ISHAAN,ANIKET	SHIVAJI HOUSE	RELAY RACE 6TH TO 8TH BOYS	3RD SHIVAJI HOUSE (1.36 SEC)
	RELAY RACE (GIRLS) 6TH TO 8TH		
ANANYA	RAMAN HOUSE	RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	1ST TAGORE HOUSE (1:25 ,97 SEC)
JANVI		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
SHREYA		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
SNEHA		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
PRACHI	ASHOKA HOUSE	RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	2ND ASHOKA HOUSE (1:41 ,97 SEC)
KASHISH		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
BHUMIKA		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	3rd SHIVAJI HOUSE (1:45 ,96 sec)
SHAGUN		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
MANVI	TAGORE HOUSE	RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
CHARVI		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
DEEPIKA		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
MUSKAN		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	

1	PRATIBHA	SHIVAJI HOUSE	RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
2	TAMANA		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
3	MANISHA		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
4	VANSHIKA		RELAY RACE 6TH TO 8TH GIRLS	
		BADMINTON BOYS(6TH TO 8TH)		
1	SUJAL	RAMAN HOUSE	BADMINTON BOYS(6TH TO 8TH)	1ST ARYAN SHARMA
2	ARYAN	ASHOKA HOUSE	BADMINTON BOYS(6TH TO 8TH)	2ND RIJUL
3	RIJUL	SHIVAJI HOUSE	BADMINTON BOYS(6TH TO 8TH)	3RD RAJVEER
4	RAJVEER	TAGORE HOUSE	BADMINTON BOYS(6TH TO 8TH)	
		BADMINTON GIRLS(6TH TO 8TH)		
1	SIYA	RAMAN HOUSE	BADMINTON GIRLS(6TH TO 8TH)	1ST NAYSHA THAKUR
2	BHUMIKA	ASHOKA HOUSE	BADMINTON GIRLS(6TH TO 8TH)	2ND SIYA
3	RIYA	SHIVAJI HOUSE	BADMINTON GIRLS(6TH TO 8TH)	3RD BHUMIKA
4	NAYSHA THAKUR	TAGORE HOUSE	BADMINTON GIRLS(6TH TO 8TH)	
		RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 100 M		
1	ISHIKA	RAMAN HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 100 M	1ST PRANAVA (22.31 SEC)
2	PRIYANKA THAKUR	ASHOKA HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 100 M	2ND JANV I(23.9 SEC)
3	JANVI	SHIVAJI HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 100 M	3RD PRIYANKA THAKUR (24.01 SEC)
4	PRANAVA	TAGORE HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 100 M	
		RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 200 M		
1	SHREYA	RAMAN HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 200 M	1ST VANSHIKA (47.00 SEC)
2	VANSHIKA	ASHOKA HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 200 M	2ND KSHMA (49.00 SEC)
3	KSHMA	SHIVAJI HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 200 M	3RD SINCHIN (50.03 SEC)
4	SINCHIN	TAGORE HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 200 M	
		RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 400 M		
1	JANVI	RAMAN HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 400 M	1ST AAINA (1:53,93 SEC)
2	SWATI	ASHOKA HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 400 M	2ND SWATI (2:22,01 SEC)
3	AAINA	SHIVAJI HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 400 M	3RD SAMIKSHA (2:30,55 SEC)
4	SAMIKSHA	TAGORE HOUSE	RACE (GIRLS) 9TH TO 11TH 400 M	
		RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 100 M		
1	SUJAL 9TH	RAMAN HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 100 M	1ST UTKARSHTHAKUR(19:21 SEC)
2	SHIV JAMWAL (11)	ASHOKA HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 100 M	2NDSHIVJAMWAL(19:69 SEC)
3	ARMAN 9TH	SHIVAJI HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 100 M	3RD ARMAN(20:00 SEC)

4	UTKARSH THAKUR	TAGORE HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 100 M	
		RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 200 M		
1	RITIK MEHRA 10TH	RAMAN HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 200 M	1ST OM RANA 11TH (29:69 SEC) 2ND DIVYANSH DHIMAN 10TH (31.50 SEC) 3RD ADITYA JAMWAL 11 TH(31.59 SEC)
2	OM RANA 11TH	ASHOKA HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 200 M	
3	DIVYANSH DHIMAN 10TH	SHIVAJI HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 200 M	
4	ADITYA JAMWAL 11 TH	TAGORE HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 200 M	
		RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 400 M		
1	ABHISHEK	RAMAN HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 400 M	1ST AYUSH THAKUR (1:30:40 SEC) 2ND KRISH DHIMAN 10TH (1:31:97 SEC) 3RD AARYAN(1:36:90 SEC)
2	AYUSH THAKUR	ASHOKA HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 400 M	
3	KRISH DHIMAN	SHIVAJI HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 400 M	
4	AARYAN	TAGORE HOUSE	RACE (BOYS) 9TH TO 11TH 400 M	
		RELAY RACE 9TH TO 11TH GIRLS		
1	ANANYA10,JANVI11,SNEHA10, SHREYA	RAMAN HOUSE	RELAY RACE 9TH TO 11TH GIRLS	1STASHOKA HOUSE(1:29 SEC) 2ND RAMAN HOUSE(1:30 SEC) 3RDSHIVAJI HOUSE(1:31 SEC)
2	SWATI 11TH,PRIYANKA THAKUR 11TH,SHAGUN 10TH,VANSHIKA 9TH	ASHOKA HOUSE	RELAY RACE 9TH TO 11TH GIRLS	
3	RIYA 10,MUSKAN 10,PRIYA 11,KSHMA 9	SHIVAJI HOUSE	RELAY RACE 9TH TO 11TH GIRLS	
4	PRANAVA9,SINCHIN9,KRITIKA9,SAMIKSHA10	TAGORE HOUSE	RELAY RACE 9TH TO 11TH GIRLS	
		RELAY RACE 9TH TO 11TH BOYS		
1	ABHISHEK10,RIJUL10TH,RAJAT11,PIYUSH 11	RAMAN HOUSE	RELAY RACE 9TH TO 11TH BOYS	1STASHOKA HOUSE(1:16 SEC) 2NDSHIVAJI HOUSE(1:18 SEC) 3RD TAGORE HOUSE (1:19 SEC)
2	HIMANSHU9,SHIV JAMWAL11,OM RANA11,AYUSH THAKUR 11	ASHOKA HOUSE	RELAY RACE 9TH TO 11TH BOYS	
3	ARMAN9,ADITYA11,KRISH DHIMAN10,RITIK BHANWAL10	SHIVAJI HOUSE	RELAY RACE 9TH TO 11TH BOYS	
4	UTKARSH11,ADITYA JAMWAL11,AARYAN 10,ARYAN MANDHOTRA 9	TAGORE HOUSE	RELAY RACE 9TH TO 11TH BOYS	
	OVERALL CHAMPION:			
	ASHOKA HOUSE	POINTS-112		1ST
	TAGORE HOUSE	POINTS-92		2ND
	SHIVAJI HOUSE	POINTS-74		3RD
	RAMAN HOUSE	POINTS-67		4TH

वार्षिक खेल दिवस की क्रियाएं

चित्रकला प्रतियोगिता

केंद्रीय विद्यालय संधोल में भाषण , पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 26/08/2022/ को केंद्रीय विद्यालय संधोल में किया गया, इसी के साथ साथ गुमनाम अपरिचित स्वतंत्रता सेनानियों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया।

Palak
class 10

SAVE
WATER
SAVE
LIFE

Kritika
Class 10

स्वच्छता पखवाड़ा

केंद्रीय विद्यालय संधोल में 1 से 15 सितम्बर को स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इसकी कुछ झलकियां :

पितामह दिवस की कुछ झलकियाँ

प्राचार्य महोदय म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में आये प्रथम प्रतिभागी को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए

शिक्षक दिवस

केंद्रीय विद्यालय संधोल मे 5 सितम्बर को शिक्षा दिवस मनाया गया | विद्यालय के प्राचार्य महोदय ने शिक्षा दिवस की शुरुआत की| स्कूल के कक्षा 11 और 10 के छात्र और छात्रों ने अलग अलग शिक्षकों की भूमिका अदा की और शिक्षकों ने प्रार्थना सभा की शुरुआत की | शिक्षकों की भूमिका निभाने वाले छात्रों ने अलग अलग कक्षा में जाकर शिक्षण कार्य का अनुभब लिया| छात्र छात्राओं ने इस दिवस पर सांस्कृतिक कार्य में भाग लिया और गाना गाने से लेकर नाट्य प्रदर्शन भी किया | छात्रों ने स्कूल के सभी शिक्षकों को अपने अंदाज में सम्मानित किया | स्कूल की और से शिक्षकों की भूमिका निभाने वाले छात्रों के लिए जलपान का भी इंतजाम किया गया था | इस तरह केंद्रीय विद्यालय संधोल में शिक्षक दिवस पुरे जोर शोर से मनाया गया |

शिलान्यास और सांस्कृतिक कार्यक्रम

विद्यालय के नवीन भवन का शिलान्यास आदरणीय केंद्रीय शिक्षामंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और आदरणीय केंद्रीय खेलमंत्री श्री अनुराग ठाकुर के कर कमलों द्वारा दिनांक 20 जून 2022 को संपन्न हुआ |

मंच की ओर बढ़ते हुए माननीय के .शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान (ऊपर)तथा स्वागत गान प्रस्तुत करते हुए के .वि .संधोल के विद्यार्थी स्वागत गान

दीप प्रज्ज्वलन करते हुए माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान और खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर (ऊपर) तथा उड़िया नृत्य प्रस्तुत करती हुई के .वि .संधोल की छात्राएं

केन्द्रीय विद्यालय संधोल के निर्माणाधीन नवीन भवन की कार्य प्रगति की झलकियाँ

तीव्र स्तर पर निर्माणाधीन विद्यालय परिसर की सीमाएँ

कक्षा 11th का उद्घाटन

कक्षा 11वीं का उद्घाटन 29 अगस्त 2022 को विद्यालय के प्रांगण में किया गया।

11वीं कक्षा का शुभारम्भ करते हुए समाजसेवी श्री रजत ठाकुर व अभिभावकगण

विद्यार्थियों का के. वि. स. क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता (गुरुग्राम संभाग) में प्रथम स्थान एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयन

चयनित प्रतिभागियो को प्राचार्य महोदय द्वारा सम्मान

वार्षिक निरीक्षण

16 नवम्बर 2022 को केंद्रीय विद्यालय संधोल में वार्षिक निरीक्षण श्री आर .सी. शर्मा के दिशा निर्देशन में हुआ।

प्राचार्य महोदय निरीक्षण दल का औपचारिक स्वागत करते हुए।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

08 सितम्बर 2022 को केंद्रीय विद्यालय संधोल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विविध परिधानों में प्रस्तुति देते हुए प्राथमिक स्तर के बच्चें

एक भारत श्रेष्ठ भारत गतिविधियां

एक भारत श्रेष्ठ भारत गतिविधियों के दौरान प्राचार्य महोदय एवं छात्र

ENGLISH SECTION

MY FRIEND

I can talk with a friend and walk with a friend

And share my umbrella in the rain.

I can play with a friend,

and stay with a friend

And compete with a friend.

And even sometimes disagree.

I can ride with a friend, and take pride with a friend.

A friend means so much to me.

Make new friends but keep the old is sliver and the other gold.

Circle around that has no end that's how long I want to be your friend.

Anvi Kashyap

Class III

On the Border

There are the hearts waiting for order

On the border

Standing is a father fighting

To protect everyone's daughter

On the border.

A single son of family

To protect several families from indiscriminant slaughter

On the border

Are the Indians soldiers standing

In order living their cast

Fall in disorder.

Charvi

Class VII

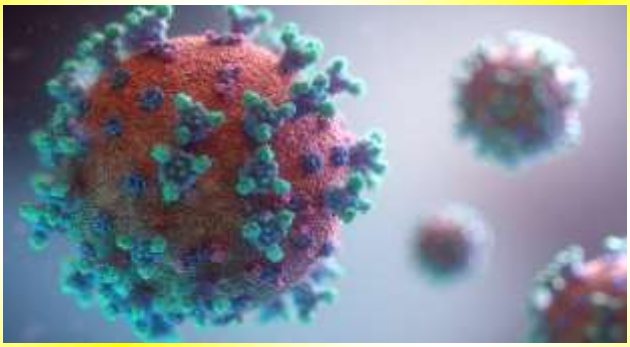

The COVID-19 pandemic has resulted in severe economic and social impacts around the world. Young people are particularly vulnerable to the disruptions the pandemic has caused and many are now at risk of being left behind in education, economic opportunities and health. During this crucial stage people became more unemployed and some people left their jobs, this creates lack of adequate social protection.

At the same time young people are responding to the crisis through public promotion volunteering and innovations. Young people will from a key element in an inclusive recovery and the achievement of the Sustainable Development Goals (SDGs) during this decade of action, however the response and recovery must be done in a way that protects the humans rights of all youths.

Naysha Thakur Class VII

Discipline - The necessity of life

Discipline is the word without which our life is incomplete. It is one of the first few lessons that we learn as children. Discipline means living the life with proper rules and systems which will help us to achieve our goals. When we lead a disciplined life we start improving our habits, which improves our personality and life. But the discipline should be self discipline. Nobody is always there to tell us to do and not to do. Self discipline helps us to get success in every aspect of life. Discipline is the watchword everywhere whether society, school, an organization or home. It is very important in student's life as it helps him to achieve his career goals. Discipline is the bridge between goals and accomplishments and overcome one's weakness. It is a sign of inner strength that we can control our actions.

Self discipline is what make a dreamer a doer. The world needs more dreams and people who can chase them and make them happen. So discipline and no doubt self discipline must in life. It is that respect your efforts, respect yourself.

Mannat Thakur

Class VIII

FATHER

Oh! My dad,

I am so glad,

You know everything,

You are like a king.

But you are angry a lot,

Like a bull in the do or die court.

But you are so good,
Ooo.....Dood,

I know your favourite colour blue,
And I will say I love you !

AISHANYA, Class IV

BACK TO SCHOOL

Pencils, Glue, Paper and books,

My backpack is filled to the top.

I grab my lunch and gym shoes,

And make my way to the bus stop.

I get to school and walk in,

Walls are decorated .it's cool!

I find my desk with my name,

I am ready for to school!

Nischay saklani Class – 7th

Learn

Learn from the flowers,

How to smile.

Learn from the rivers,

How to cross miles.

Learn from the birds,

How to work hard.

Learn from the silence,

The art of benevolence.

Learn from the nature,

To respect every creature,

Learn to forgive ,

For this world is give and take.

Learn to be sorry,

When you have done some mistake.

Learn from everyone,

The things you lack .

So that in your society,

You are not left back .

Name:Parvi

Class: 6th

NATURE

The sky is laced with fitful red,

The circling mists and shadows flee

The dawn is rising from the sea,

Like a white lady from the bed,

And jagged brazen arrows fall

Athwart the features of the night,

And a long wave of yellow light,

Breaks silently on tower and hall,

And spreading wide across the world,

Wakes into flight some fluttering bird,

And all chest nuts tops are stirred ,

And all thr branches streaked with glad.

Name – Shagun

Class – 7th

YOUR BEST

IF you try your best, then you'll never have to wonder about what you could have done. If **you'd summoned all your thunder.**

And if your best

Was not as good

As you hoped it would be,

You still could say,

" I gave today all that I had in me"

Name- Kashma

Class 9th

Independence day

The day of 15th august 1947 India has been independent at 15th august 2022 we will celebrate our 75 years of independence of India. In 15 august India is independent from British rulers. In 15 august 1947 Pakistan was separated from India .First P.M. of India is Pandit Jawaharlal Nehru and first President of India is Rajendra prasad. This time the P.M. of India is Narendra singh modi and President of India is Droupati murmur. There are 28 states and 8 union territories in India . India is the 7th biggest country of the world . India,s national sports is Hockey ,bird is Peacock and animal is Tiger. The capital of India is New Delhi .India had many freedom fighters like Mahatma Gandhi ,Bhagat singh ,Dr B.R Ambedkar . Dr B.R Ambedkar is the writer of Indian Constitution . It is the largest constitution of the world. This is my Article on Independence day of India.

Name – Vansh

Class – 7th

Roll no – 46

Back To School

PENCILS , GLUE, PAPER ,and books,

My bag pack is filled to the top,

I grab my lunch and gym shoes ,

And make my way to the bus stop.

to school and walk in,

Walls are I get decorated ,it is cool,

I find my desk with my name ,

I am ready for back to school .

NAME -NISCHAY SAKLANI

IMPACT OF TEACHERS ON A STUDENT LIFE

Growing up our parents and teacher are the first ones to impact our lives significally impact our lives significally impact in the younger years students have complete faith in there teacher and they listen to their more than their parents . this shows the significance and impact of a teacher.

When we become older and enter college teacher our .some even become our .role models .they inspire us to do great thing in life . we learn how to be selfless by teachers unknowingly also teach very important lesson to a student

Name – Akshra Thakur

Roll no -17

Class-7

Mr. Lion

Once Mrs. Lion told Mr. Lion to brush his teeth as his mouth smelt very bad. Mr. Lion could not tolerate such an insult. He was very upset. He called a sheep and said,"is my mouth Smelling very bad?"The innocent sheep told The truth. 'Yes, sir, you have a bad breath."Mr Lion called a wolf and asked him the same Question. The wolf had secretly seen how the Sheep was killedjust a few minutes ago .So he thought to tell a lie."Sir your breath is as Fresh as flowers."

Mr lion understood that the wolf was telling A line.So he killed the wolf. Then he called a fox And said," Tell me quickly, how my breath smells?" The fox had seen the fate Of both the sheep and the wolf who chose to speak the truth and lie. So the clever Fox said," Sir, I have a very bad cough and cold. My nose is blocked. I can't smell anything at all," Mr Lion let the fox go.

Moral-: In time of danger it is better to keep quiet.

Our Earth

The Earth is ours to enjoy

For every little girl and boy.

But we must always be aware

That all its beauty we must share

With all the children yet to come

Who want to laugh and play and run

Around the trees and in the fields,

So we must keep our planet free

From messy trash and debris

With air that's clean, fresh And clear

For all to breathe from year to year

We must never ever abuse

Our sweet Earth that's ours to use

Name- Shivansh.

Class- 6th.

संस्कृत खंड

देशभक्ति

यस्मिन् देशे वयं जन्मधारणं कुर्मः स हि अस्माकं देशः जन्मभूमिः वा भवति । जननी इव जन्मभूमिः पूज्या आदरणीया च भवति । अस्याः यशः सर्वेषां देशवसिनां यशः भवति । अस्याः गौरवेण एव देशवसिनां गौरवम् भवति । ये जनाः स्वाभ्युदयार्थं देशस्याहितं कुर्वन्ति ते अधमाः सन्ति । देशभक्तिः सर्वासु भक्तिषु श्रेष्ठा कथ्यते । अनया एव देशस्य स्वतंत्रतायाः रक्षा भवति । अनया एव प्रेरिताः बहवः देशभक्ताः भगत सिंहः, चन्द्रशेखर आजाद प्रभृतयः आत्मोत्सर्गम् अकुर्वन् । झाँसीश्वरी लक्ष्मीबाई, राणाप्रताप मेवाड़केसरि, शिववीरः च प्रमुखाः देशभक्ताः अस्माकं देश जाता । देशभक्तिः व्यक्ति-समाज -देशकल्याणार्थ परमम् औषधम् अस्ति

दिशा

कक्षा अष्टमी

श्रमस्य महत्त्वम्

शरीरेण मानसिकेन कृतं कर्म -श्रमं इति कथ्यते । श्रमेण विना जीवनं जीवनं नहि । श्रमेण विना न विद्या भवति न द्रव्यं, परिवारे समाजे, राष्ट्रे च श्रमस्य महत्त्वं दृश्यते । आविष्कारकः वैज्ञानिकः शारीरिक-मानसिक-श्रमेण नव-नव पदार्थान् आविष्करोति । श्रमेण विना भोजनमपि दुष्प्राप्यम् भवति । अतएव आशैशवम् एव श्रमं कुर्यात् । अनेन श्रमेण राष्ट्रः समाजः परिवारश्च उन्नतिपथमारोहति ।

श्रमेण लभ्यं सकलं न श्रमेण विना क्वचित् ।

सरलाङ्गुलि संघर्षात् न निर्याति घनं घृतम् ॥

अरमान शर्मा

कक्षा नवमी

सत्संगतिः

सतां सज्जनानां संगतिः । सज्जनानां संगत्या हृदयं विचारं च पवित्रम् भवति । अनया जनः स्वार्थभावं परित्यज्य लोककल्याणकामः भवति । दुर्जनानां संगत्या दुर्बुद्धिः आगच्छति । दुर्बुद्धिः दुःखजननी अस्ति । सज्जनानां संगत्या दुर्जनः अपि सज्जनः भवति । दुष्टदुर्योधनसंगत्या भीष्मोऽपि गोहरणे गतः । ऋषीणाम् संगत्या व्याधः वाल्मीकिः अपि कवि वाल्मीकिः अभवत् । रावणसंगत्या समुद्रः अपि क्षुद्र नदीव बन्धनं प्राप्तः । अतः साध्विदमुच्यते-सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम् ।

तमन्ना

कक्षा षष्ठी

संस्कृत भाषाया: महत्वम्

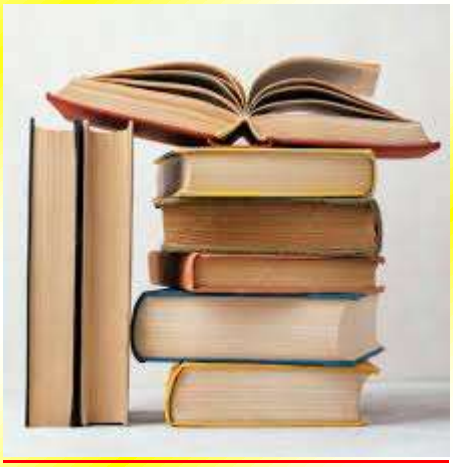

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृतभाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म। कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिताः अभवन्, किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते। सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव सन्ति। संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति। संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते, तदेव अद्यतः सहस्रवर्षपूर्वम् अपि आसीत्। संस्कृतभाषायाः स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिक अस्ति । अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति ।

रिजुल

कक्षा षष्ठी

वर्षा ऋतु - वर्षा वर्णनम्

वर्षाकाल सुखकरः भवति । अस्मिन् काले विशेषतया कृषकाः प्रसन्नाः भवन्ति । ते कृषिकार्य कुर्वन्ति । अस्मिन् काले आकाशे मेघाः भवन्ति । नभः मेघाच्छन्नम् भवति । ग्रीष्मकालस्य आतपस्य शान्तिः भवति । सरः जलपूर्णं भवति । पन्थाः कर्दमपूर्णाः नवैः हरितैः तृणैः पृथ्वी आच्छन्ना भवति । मंडूकाः जलाशयेषु गीतं गायन्ति । नभसि इन्द्रधनुः अतीव रमणीयम् दृश्यते । नद्यः जलपूर्णाः प्रवाहपूर्णाश्च भवन्ति

आर्यन

कक्षा सप्तमी

तस्मादसक्तः सततं कार्यं कर्म समाचार ।
असक्तो ह्याचरन्कर्म परमाप्नोति पुरुषः ।।

श्रीमद भगवद् गीता

अध्याय तीन श्लोक क्रम उन्नीस

श्रीमद भगवद गीताका का यह श्लोक छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है ।छात्र किसी भी देश का भविष्य होते है और उन्हें मानसिक रूप से सबल और समर्थ बनाना हम सब का कर्त्तव्य है। इस श्लोक में छिपा हुआ ज्ञान छात्रों के लिए उपयोगी है जिस का अर्थ इस प्रकार है -

कर्मफल में आसक्त हुए बिना मनुष्य को अपना कर्तव्य समझ कर निरन्तर कर्म करते रहना चाहिए क्योंकि अनासक्त होकर कर्म करने से परब्रह्म (परम) की प्राप्ति होती है ।

तात्पर्य

भक्तों के लिए श्रीभगवान् परम हैं और निर्विशेषवादियों के लिए मुक्ति परम है । अतः जो व्यक्ति समुचित पथप्रदर्शन पाकर और कर्मफल से अनासक्त होकर कृष्ण के लिए या कृष्णभावनामृत में कार्य करता है, वह निश्चित रूप से जीवन-लक्ष्य की ओर प्रगति करता है । अर्जुन से कहा जा रहा है कि वह कृष्ण के लिए कुरुक्षेत्र के युद्ध में लड़े क्योंकि कृष्ण की इच्छा है कि वह ऐसा करे । उत्तम व्यक्ति होना या अहिंसक होना व्यक्तिगत आसक्ति है, किन्तु फल की आसक्ति से रहित होकर कार्य करना परमात्मा के लिए कार्य करना है । यह उच्चतम कोटि का पूर्ण कर्म है, जिसकी संस्तुति भगवान् कृष्ण ने की है ।

नियत यज्ञ, जैसे वैदिक अनुष्ठान, उन पापकर्मों की शुद्धि के लिए किये जाते हैं जो इन्द्रियतृप्ति के उद्देश्य से किये गए हों । किन्तु कृष्णभावनामृत में जो कर्म किया जाता है वह अच्छे या बुरे कर्म के फलों से परे है । कृष्णभावनाभावित व्यक्ति में फल के प्रति लेशमात्र आसक्ति नहीं रहती, वह तो केवल कृष्ण के लिए कार्य करता है । वह समस्त प्रकार के कर्मों में रत रह कर भी पूर्णतया अनासक्त रहता है ।

विकास पाठक

प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक संस्कृत

स्काउट एंड गाइड गतिविधियां

प्रथम सोपान की गतिविधियाँ

क्षेत्रीय स्तर पर कला उत्सव में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता की कुछ झलकियाँ

शास्त्रीय संगीत एकल गायन प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर, के. वि. स. पर चयन

Shot on OnePlus
Powered by Dual Camera

Shot on OnePlus
Powered by Dual Camera

Kendriya Vidyalaya Sandhole in News

...वी संधोल में चित्रकला व नारा लेखन स्पर्धा

केंद्रीय विद्यालय संधोल कल करेगा दौड़ स्पर्धा का आयोजन

फिट इंडिया अभियान के तहत 2 को संधोल में होगी दौड़ स्पर्धा

संधोल, 30 सितम्बर (म.ह.) केंद्रीय विद्यालय संधोल में शिक्षक अभिभावक की बैठक हुई, जिसमें 2 अक्तूबर को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित फिट इंडिया अभियान के तहत दौड़ का आयोजन पूरे भारत में किया जाएगा। केंद्रीय विद्यालय द्वारा सभी अभिभावकों को इस दौड़ के लिए आमंत्रित किया गया है। यह दौड़ संधोल में बैंक के पास बड़े मैदान में 2 अक्तूबर की सुबह साढ़े 8 बजे करवाई जाएगी। दौड़ के सफल संचालन में केंद्रीय विद्यालय संधोल का स्टाफ और मुख्यतः शारीरिक शिक्षा अध्यापक अपनी भूमिका की मुख्य भूमिका रहेगी।

खेल गतिविधियों का किया आयोजन

संधोल में चाचा नेहरू को किया याद

संधोल में 'परीक्षा पे चर्चा'

झारखंड के लोकगीत रहा आकर्षण का केंद्र

संधोल। देश के 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय संधोल में प्राचार्य शेख दोरजे के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत झारखंड का लोकगीत एवं लोकनृत्य जोहर विशेष आकर्षण था। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों सहित सभी अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20

भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE